

मधाचल भुम

शॉपिंग मॉल के मीटर पैनल बोर्ड में आग लगने से मचा हड़कंप

> भाजपा की जीत पर

नपाध्यक्ष ने

बलौदाबाजार | भाटापारा | खरोरा | लवन | कसडोल | पलारी-अमेरा | बिलाईगढ़ | संडी बंगला

खबर संक्षेप

खाना बनाने के विवाद में हत्या. आरोपी को उम्रकैद रायपर। उरला थाना क्षेत्र में तीन वर्ष पर्व खाना बनाने के विवाद में अपने साथी की हत्या करने के आरोप में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिलेश कुमार यादव की कोर्ट ने बालाराम कुर्रे उर्फ बाला को उम्रकैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक वर्षा राठौर के मुताबिक कोर्ट ने बालाराम को रंजीत महिलांगे की हत्या के आरोप में कैद की सजा सुनाई है। पुलिस द्वारा कोर्ट में पेश केस डायरी के मुताबिक बालाराम तथा मृतक एक फैक्ट्री मे काम करते थे और लेबर क्वार्टर में साथ रहते थे। बालाराम का रंजीत के साथ 19 अगस्त को खाना बनाने को लेकर झगडा हुआ। साथियों ने बीचबचाव कर दोनों के बीच झगड़ा शांत कराया। विवाद के चलते रात को बालाराम ने रंजीत की लोहे की

क्रिकेटर बनकर जुआरियों के फड में छापा

पाइप से सिर, छाती पर हमला कर हत्या कर दी। लेबर क्वार्टर में रहने वाले लोगों ने दूसरे दिन पुलिस को घटना की जानकारी दी।



रायपुर। मंदिर हसौद पुलिस ने क्रिकेटर बनकर एक जुआ फड़ में छापे की कार्रवाई करते हुए 15 जुआरियों को गिरफ्तार कर 2 लाख 23 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक कोल्हान नाला के जुआ फड़ सजे होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अफसरों के निर्देश के बाद अलग-अलग पुलिस टीम तैयार कर क्रिकेटर के रूप में जुआ फड़ की घेराबंदी कर जुआ खेलते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने उक्त कार्रवाई सोमवार तड़के ढाई से तीन बजे के बीच की।

शराब घोटाले के आरोपियों को रिमांड पर लेने आवेदन रायपुर। शराब घोटाला के

आरोपियों को रिमांड पर लेने ईडी के वकील ने कोर्ट में सोमवार को आवेदन पेश किया है, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। 5 मई को ईडी की टीम शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर, अरविंद सिंह, एपी त्रिपाठी, त्रिलोक सिंह को प्रोटेक्शन वारंट पर कोर्ट में पेश करेगी। सुनवाई के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पछताछ करने रिमांड की मांग करेगी। गौरतलब है कि शराब घोटाले के आरोपियों के खिलाफ ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया है। शराब घोटाले के एक अन्य आरोपी अनिल ट्रटेजा की कोर्ट ने न्यायिक रिमांड 14 जुन तक के लिए बढ़ा दी है। महादेव सट्टा एप मामले में ईओडब्ल्यू ने नीतीश दीवान का प्रोटेक्शन वारंट लेने कोर्ट में आवेदन पेश किया है।

सहकारी समिति लोधिया, गोबरसिंहा में अनियमितता, कारण बताओ नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज 🕪 भटगांव

कलेक्टर के निर्देश पर कृषि विभाग दल द्वारा विकासखंड बरमकेला के सहकारी समिति लोधिया. गोबरसिंहा, साल्हेओना का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सहकारी समिति लोधिया, गोबरसिंहा में अनियमितता पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

निरीक्षण दल में उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव के साथ ही जयप्रकाश गुप्ता, निलेश राव तालेश्वर पटेल उपस्थित थे। सहकारी समिति लोधिया में रासायनिक खाद यूरिया 203.400 मीटरिक टन, डीएपी 60 मीटरिक टन, पोटाश 20

उप संचालक कृषि ने की सहकारी समितियों के निरीक्षण के बाद कार्रवाई



सहकारी समितियों को प्रतिदिन खोलने दिए निर्देश

सहकारी समिति साल्हेओना में यूरिया 112.050 मीटरिक टन, सुपर फास्फेट 25.000 मीटरिक टन, डीएपी 61.000 मीटरिक टन एवं धान बीज स्वर्णा 210.00 विवं. भंडारण हुआ है, इसमें रासायनिक खाद यूरिया 70.070 मीटरिक टन, सुपर फास्फेट 1.700 मीटरिक टन, डीएपी 51.150 एवं धान बीज स्वर्णा 132.90 क्विंटल वितरण किया गया है। सहकारी समिति लोधिया, गोबरसिंहा में अनियमितता पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया। सहकारी समितियों को प्रतिदिन खोलने, 2 दिनों में किसानों को रासायनिक खाद बीज वितरण कार्य पूर्ण करने, मांग अनुसार रासायनिक खाद का ऑनलाइन मांग

पुलिस ने घर से

हिरासत में लिया

पुलिस टीम मुंगेली रवाना

हुई, जहां दिलीप कुरें उर्फ

राहुल पिता श्यामलाल कुर्रे

37 वर्ष वार्ड 14 मुंगली, मुकेश

बांधे पिता तिलक राम बांधे 25

वर्ष, दिनेश बांधे पिता तिलक

बांधे 23 वर्ष, तिलक बांधे पिता

संतन बांधे 58 वर्ष, लक्ष्मी बांधे

पति तिलक बांधे ४९ वर्ष एवं

अंकुर सोनी पिता अरूण

सोनी 32 वर्ष सभी निवासी

मुंगेली को उसके घरों से

पंकड़ कर पुलिस हिरासत में

मीटरिक टन एवं धान बीज स्वर्णा 210.80 क्विंटल भंडारण हुआ है, जिसमें युरिया 60.300 मीटरिक टन, डीएपी 53.800 मीटरिक टन, पोटाश 0.650 मीटरिक टन एवं धान बीज 20 क्विंटल वितरण किया गया है। सहकारी समिति गोबरसिंहा में रासायनिक खाद यूरिया 175.680 मीटरिक टन, सुपर फास्फेट 5.650 मीटरिक टन, डी.ए.पी. 90 मीटरिक टन एवं धान बीज स्वर्णा 180 क्विंटल एवं एम.टी.यू.1001- 30. क्विंटल भंडारण हुआ है। इसमें यूरिया 95 मीटरिक टन, सुपर फास्फेट 5.650 मीटरिक टन, डीएपी 60.500 मीटरिक टन एवं धान बीज स्वर्णा 118.80 क्विंटल, एमटीयू 1001- 8.10 क्विंटल वितरण किया गया है।

अपराध : अब भी फरार 10 आरोपियों की खोजबीन में जुटी है पुलिस

चंदेरी हत्याकांड के ६ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज 🕪 सिमगा

स्थानीय थाना अंतर्गत ग्राम चंदेरी में गत रविवार की रात हुए हत्याकांड के 6 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। वहीं फरार लगभग 10 अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। थाना प्रभारी गोपाल धुर्वे ने बताया कि मुंगेली के वार्ड 14 निवासी सुकृति कुरें पति दिलीप कुर्रे जो सिमगा के ग्राम चंदेरी निवासी अपने प्रेमी मृतक नंदकुमार पात्रे पिता आगरदास के घर रहने आ गई थी।

यह पता चलने पर आरोपी पति के साथ उसका साला मुकेश बांधे, दिनेश बांधे, ससुर तिलक बांधे, सास लक्ष्मी बांधे व दोस्त अंकुर सोनी वह 8-10 लोगों के साथ अपनी पत्नी सुकृति कुरें को वापस ले जाने 2 जून रविवार की रात करीबन 11.30 बजे ग्राम चंदेरी आए थे। इस दौरान दोनों पक्षों में जम कर विवाद होने के बाद आरोपी पक्ष चला गया, लेकिन कुछ देर बाद उनके मन में गुस्सा एवं आवेश के चलते सभी आरोपियों द्वारा एक राय होकर मृतक के घर की दीवाल फांद कर आंगन में रखे लकड़ी के बत्ता, लाठी, डण्डा क्रिकेट बेट से छत में सो रहे मृतक नंदकुमार पात्रे के साथ उनकी मां अनिता पात्रे एवं बडे भाई गोवर्धन

शादी के बाद प्रेमी से संबंध रखते हुए उसके घर चले जाना बना हत्या का कारण

हत्या करना स्वीकारा

पुछताछ में पता चला कि मृतक का आरोपी की पत्नी सुकृति कुर्रे से अवैध संबंध होने से वह अपने पति को छोड़कर ग्राम चंदेरी आ गई थी। आरोपी का पूरा परिवार इस बात से नाराज चल रहा था इसलिए सभी सदस्य सुकृति कुरें को वापस मुंगेली ले जॉनें के लिए ग्राम चंदेरी पहुंचे थे, लेकिन मृतक द्वारा उल्टा उन्हें गाली गलौज कर विवाद करने लगा। इससे नाराज आरोपियों द्वारा आवेश में आकर लाठी, डंडे आदि से मारपीट करते हुए दो लोगों को गंभीर रूप से चोट पहुंचाना एवं मृतक नंद कुमार की हत्या करना स्वीकार किया गया।



न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपियों को रिमांड पर जेल भेज दिया गया। आरोपियों के विरुद्ध धारा १४७, १४९, २९४, ५०६, ३२३, ३०७, ४२७, ३०२

भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त वाहन लाठी, डंडा एवं लकडी का बत्ता जब्त कर फरार 8—10 आरोपियों पतातलाश कर

पात्रे को जान से मार डालने की नियत से उन पर ताबड़तोड़ प्राणघातक हमला कर दिया।

ऑटो से आरोपीगण वापस मुंगेली |

पात्रे एवं अनिता पात्रे के सिर में गंभीर चोटें आयी तथा बीच बचाव करने आए गोवर्धन पात्रे के साथ भी मारपीट करते हुए उसे छत से नीचे फेंक दिया जिससे उसके पैर में गंभीर चोटे आई हैं। आरोपियों द्वारा घटनाकारित करने के बाद मृतक परिवार के घर के सभी कमरों का दरवाजा कुलर, फ्रिज आदि को तोड फोड कर दो कार एवं एक ऑटो से आरोपीगण वापस

उक्त घटना कि सूचना पर थाना पहुंचा, जहां हमले से हुए घायलों को को मृत घोषित कर दिया तथा दो अन्य प्रभारी गोपाल ध्रुवे को मिलने पर शासकीय अस्पताल सिमगा पहुंचाया घायलों को गंभीर अवस्था में रायपुर पुलिस बल घटना स्थल ग्राम चंदेरी गया। जहां डाक्टर ने नंद कुमार पात्रे रिफर किया गया।

ट्रैक्टर ट्राली से टकराई बाइक, एक की मौत दुसरा गंभीर



हरिभूमि न्यूज 🕪 गिधौरी

नगर के समीपस्थ ग्राम कुम्हारी में मंगलवार दोपहर करीब एक बजे ग्राम कुम्हारी के भाटापारा मोहल्ला में एक काले कलर की हीरो एचएफ डिलक्स सीजी 22 जेड 1976 बाइक में गांव के सोनचरण प्रधान पिता पंचराम 19 वर्ष एवं साथी रवि यादव पिता बेदराम 29 वर्ष तथा पांच वर्ष के मनीष पिता

महेंद्र प्रधान तीनों बाइक में सवार होकर गली मोहल्ले में घुम रहे थे। वहीं वाहन मोहल्ला के पास खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में तेजरफ्तार जा टकरायी। उक्त घटना से सोनचरण प्रधान पिता पंचराम तीसरा पांच 18 वर्ष के सिर व चेहरा में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वहीं साथी रवि गंभीर रूप से घायल हो गया तथा पांच वर्षीय

वर्षीय बच्चा बाल-बाल बचा बच्चे को किसी तरह की खरोंच तक नहीं आने से

बाल-बाल बच गया। घटना इतनी खतरनाक थी कि बाइक के टक्कर से ट्रैक्टर ट्राली दो तीन फीट आगे बढ गई थी। घटना की जानकारी मिलने पर गिधौरी पुलिस मौके पर पहुंच घायल 🕨 शेष पेज 03 पर

अंचल के गांवों में पानी की समस्या से जूझ रहे लोग स्न मकान से नाखों की वट सावित्री कल, सुहागिन

हरिभूमि न्यूज 🕪 मुड़पार-सरसीवा

नगर में भीषण गर्मी के चलते हर गांव में पेयजल और निस्तारी की समस्या चरम पर है। संबंधित पंचायत के प्रतिनिधि यदि इस पर थोड़ा भी ध्यान देते तो लोगों को

अधिकांश हैंडपंप खराब

पेयजल उपलब्ध हो जाता। गांव के

हर गली में हैंडपंप लगे हुए हैं, जो अधिकांश बिगड़े पड़े हैं। आपको बता दें कि ग्राम मुड़पार, बिलासपुर, रायकोना, पिपरदुला, मनपसार, कोट, टीहलीपाली, केडियारवार, पंड्रीपाली, बालपुर



सहित सभी गांवों में नल जल योजना के तहत हजारों करोड़ रुपए से पानी टंकी निर्मित की गई है। पाइप लाइन भी बिछाई गई है, लेकिन ज्यादातर गांव में विभाग अब तक पानी चालु नहीं किया है। इन दिनों लोग भीषण गर्मी और जल संकट

की दोहरी परेशानी से जूझ रहे हैं। वहीं मुड़पार, बालपुर के कई मोहल्ला में पानी की भारी समस्या देखने को मिल रही है। ताजा मामला यह है कि जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी टंकी का निर्माण भी हो चुका है। कई जगह पर बोर भी

खुदवाई गई है। पानी की सप्लाई बस रुकी हुई है, क्योंकि नल जल योजना का लाभ लेने में बालपुर, मुड़पार असमर्थ है। मजबूरन ग्राम में टैंकरों के माध्यम से अन्यत्र जगह से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है, लेकिन इसमें भी ग्राम पंचायत बालपुर असमर्थ है। इसी बीच ग्राम पंचायत बालपुर के संतराम चंद्रा द्वारा निःस्वार्थ भाव से खुद के ट्रैक्टर से पानी टैंकर से ग्राम बालपुर में कई जगह पर प्रतिदिन छह से आठ आठ पानी टैंकर की जल सेवा प्रदान की जा रही है, जिससे लोगों को राहत मिल रही है। उन्होंने बताया कि इस जल सेवा को आगे भी निरंतर

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में पांच दिन पूर्व सूने मकान का ताला

तोडकर 30 तोला सोने का जेवर चोरी कर ले जाने के आरोप में पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार किया है। शातिरों के कब्जे से पुलिस ने चोरी का माल बरामद कर लिया है। एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट के उप महाप्रबंधक अब्राहम जॉन के निवास में चोरी करने के आरोप में राहल उर्फ राज् बघेल तथा प्रीतम तांडी को गिरफ्तार किया है। घटना के समय अब्राहम जॉन का परिवार नागपुर में था। अब्राहम जॉन को नौकरानी के माध्यम से चोरी की जानकारी मिली।

रखेंगी कठोर उपवास

हरिभूमि न्यूज 🕪 पलारी

अंचल में गुरुवार को वट सावित्री पर्व मनाया जाएगा। इस दिन सुहागीन अपने पति की लंबी आयु और निरोग जीवन के लिए इस भीषण गर्मी में भी कठोर व्रत रखेंगी।

वट

सावित्री

महिलाओं के

जीवन में विशेष

महत्व रखता है।

गौरतलब है कि

वट का अर्थ है

बरगद वृक्ष। इस

वृक्ष को त्रिमूर्ति

भगवान ब्रम्हा.

विष्णु, महेश का

जाता है। यह

दीर्घायु का पूरक

माना गया है

माना

ज्ञान,

और

प्रतीक

निर्वाण



इस दिन सुहागीन अपने पति की लंबी आयु और निरोग जीवन के लिए व्रत

और सावत्री का अर्थ है वेदमाता गायत्री से, इसलिए इसे वट सावित्री कहा जाता है, यह व्रत मां सावत्री द्वारा अपने पति के प्राण रक्षा के 🕨 शेष पेज 03 पर

वट सावित्री व्रत कथा है बहुत महत्त्वपूर्ण प्राचीन कथाओं के अनुसार यह माना

जाता है कि एक बार अश्वपति नाम का एक राजा था, जो मद्र साम्राज्य पर शासन करता था। वह और उनकी पत्नी निःसंतान थे और इस प्रकार एक ऋषि के कहने पर उन्होंने प्रतिदिन मंत्रोचारण के साथ एक लाख आह्ति प्रदान करते थें। 18 वर्ष निरन्तर चला उसके बाद सावित्री प्रकट होकर वर दी कि राजन तुझे एक तपस्वी पुत्री की प्राप्ति होंगी सावित्री देवी की कृपा के कारण पुत्री का नाम सावित्री रखा जैसा कि उसका जन्म अपने पिता की कठोर तपस्या के कारण हुआ था, लड़की तपस्वी जीवन जीतों थी। समय बीतता गया राजा अपनी कन्या के विवाह के योग्य वर न मिलने से सावित्री को अपना जीवनसाथी स्वयं खोजने के लिए कहा— अपनी यात्र के दौरान. उसने राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान को पाया, राजा अंधा थाँ और उसने अपना सारा धन और राज्य खो दिया था सावित्री ने सत्यवान को अपने उपयुक्त साथी के रूप में पाया और

फिर अपने राज्य में लौट आई।जब वह घर आईं, तो नारद मुनि भी वहां

मौजूद थे, 🕨 शेष पेज 03 पर

नगर में आज मनाया जायेगा विश्व पर्यावरण दिवस

स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण के प्रति जागरुकता जरुरी

हरिभूमि न्यूज 🕪 बलौदाबाजार

प्रत्येक साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस यानी वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे सेलिब्रेट किया जाता है। यह दिन इसलिए मनाया जाता है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रकृति से जुड़ी समस्याओं के बारे में जागरूक किया जा सके। साथ ही इसके समाधान के लिए कोई ठोस कदम उठाया जा सके। वहीं पर्यावरण दिवस पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का फैसला साल 1972 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्टॉकहोम सम्मेलन में किया गया था। इस सम्मेलन का थीम पर्यावरण संरक्षण था। इसके बाद से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस सेलिब्रेट करने का निर्णय लिया गया। पहली बार यह खास दिन 5 जून 1974 को मनाया गया। इस समय विश्व पर्यावरण दिवस की 🕨 शेष पेज 03 पर

विश्व पर्यावरण दिवस का महत्व

भारत समेत पूरे विश्व में प्रदूषण काफी तेजी से फैल रहाँ है। इस वजह से हमारी प्रकृति को काफी नुकसान हो रहा है। प्रकृति को प्रदूषण से बचाने के लिए पर्यावरण दिवस को मनाया जाता है। इस दिन लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक किया जाता है और प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बार विश्व पर्यावरण दिवस 2024 की थीम का फोकस 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे पर केंद्रित है।



क्या है पर्यावरण अधिनियम १९८६

पर्यावरण अधिनियम वर्ष 1986 में अधिनियमित किया गया था। इसे पर्यावरण की सुरक्षा और सुधार प्रदान करने और उसर्से जुड़े मामलों के मुख्य उद्देश्य के साथ अधिनियमित किया गया था। भारत के मूल संविधान में प्रा—तिक पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कोई प्रावधान नहीं था। हालांकि, संविधान में ४२वें संशोधन द्वारा जोड़े गए मौलिक कर्तव्यों में जंगलों, झीलों, निदयों और वन्यजीवों सहित पर्यावरण की सुरक्षा को देश के नागरिकों के कर्तव्य के रूप में निर्धारित किया गया है। ईपीए के अधिनियमन की जड़ें जून, 1972 में स्टॉकहोम में मानव पर्योवरण पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में निहित हैं, जिसमें भारत ने मानव पर्यावरण के सुधार के लिए उचित कदम उठाने के लिए भाग लिया था। यह अधिनियम स्टॉकहोम सम्मेलन में लिए

गए निर्णयों को लागू करता है।

पाठक सूचना

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो। एवं समाचार पत्र की प्रतियां, विज्ञापन एवं खबरों के लिए संपर्क करें

8224035555, 8370049468

खबर संक्षेप

लव जिहाद पर रोक लगाने गृहमंत्री से की मुलाकात

रायपुर। प्रदेश में लगातार हो रही लव जिहाद की घटनाओं की रोकथाम के लिए हिंद समाज के लोग ने सोमवार को गृहमंत्री विजय शर्मा से मिले। पिछले एक माह से राजिम से लापता बेटी के परिजनों ने श्री शर्मा को अपनी आपबीती सुनाई। प्रतिनिधिमंडल के साथ गए दिलीप साहू ने बताया कि फोन डिटेल से पता चला कि लापता होने से पूर्व लडकी की धर्म विशेष के लड़के से कई बार बात हुई है। ऑनलाइन गेमिंग और इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़की से संपर्क किया गया। परिजनों ने विगत एक माह में कई बार पुलिस थाने में संपर्क किया है, लेकिन अब तक लड़की का कोई पता नहीं चला है। कुम्हारी से आए अश्वनी साह ने गृहमंत्री को दुर्ग जिले में हुई लव जिहाद की कई घटनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ज्यादातर मामलों में उनके ही समाज की बेटियों को निशाना बनाया जा रहा है। श्री शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

-:: ईश्तहार ::-रा.प्र.क्र. अ / 2, वर्ष, 2023-24 वाद भूमि ग्राम केसली प.ह.नं. 25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम केसर्ल प.इ.नं. 25 तहसील सिमगा. जिला बलौदाबाजार भाटापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदव प्रबंधक इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटे तेलीबांधा रायपुर द्वारा ग्राम केसली प.ह.नं. 2

तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापा स्थित भमि खसरा नंबर 148/2 में उम्मीदवा श्रीमती वेंगा वर्मा के लिए नवीन रिटेल आउटलेट (पेटोल पंप) स्थापित करने हेत अनापत्ति प्रमाप पत्र दिए जाने हेतु आवेदन पत्र अतिरिक्त जिल दण्डाधिकारी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के एल.ओ. आई. की छायाप्रति. बी-1. खसरा नक्श एवं ले-आउट की प्रतिलिपि संलग्न कर प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायाल में विचाराधीन है। अत: उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति य

संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो ते वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 14/06/2024 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 31/05/2024 को मेरे स्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)

राजधानी में सब्जी बिक्रेताओं को उचित मूल्य व लोगों को हरी सब्जी दिलाने की मुहिम फेल

उपभोक्ता बाजार में नहीं लौटे किसान, निगम भी दुकान लेने तैयार नहीं, 3 साल से अटकी सुविधा

किसानों के लिए उपभोक्ता बाजार बनवाने के बाद किष मंडी बोर्ड फंस गया है। किसानों से फीडबैक लिए बिना ही पंडरी और गंजपारा में 150 से ज्यादा दकानें बनवा दी गई। 6 साल पहले बाजार का शुभारंभ करवाने के बाद अब जिम्मेदार किसानों को बाजार में वाापस

लाने में नाकाम हैं। इससे तीन साल से बाजार में सन्नाटा पसरा है। आने का जोखिम अभी भी नहीं खारा खारी उठाना चाहते। वहीं निगम ने भी बाजार को हैंडओवर नहीं लिया है। इससे लोगों को किसाानों से रोज हरी-सब्जी खरीदने की सुविधा भी नहीं मिल रही है।

राजधानी में कृषि उपज मंडी बोर्ड ने शासन के आदेश पर करीब 8 साल पहले पंडरी में करीब 96, गंजपारा में 60 दुकानों का निर्माण करवाने पर क्रमशः 92 व 36 लाख रुपए यानी 1.28 करोड़ खर्च किया। विगत तीन साल से सब्जी बाजार विरान पड़ा है। दोनों ही क्षेत्र में शहर के आस-पास बाड़ी में सब्जी बेचने वालों को निःशुल्क बाजार देने के लिए किया गया प्रयास इस कारण भी फेल हुआ, क्योंकि कोविड के दौरान किसानों और थोक सब्जी बिक्रेताओं के बीच बाड़ी से सब्जी लेने को लेकर नया सिलसिला शुरू हो गया। इसे देखते हुए किसानों ने व्यापारियों को बाड़ी से ही सब्जी बेचना शुरू कर दिया। इसके चलते सब्जी उत्पादक बाजार तक आने से बचने लगे हैं। नतीजा, रोजगार देने के लिए चलाई गई मुहिम फेल होने से बाजार उजाड़ का हिस्सा बन गया है।



के लिए चलाई गई मुहिम फेल होने से बाजार उजाड़

का हिस्सा

बाजार को शुरू करवाने करेंगे प्रयास

उपमोवता बाजार में सब्जी उत्पादकों को वापस लाने के लिए कई बार प्रयास किया गया। निगम को बाजार देने के लिए पत्र व्यवहार किया गया, ताकि उपयोगिता बनी रहे। अभी धान खरीदी का दौर चल रहा है। इसके बाद बाजार शुरू करवाने के लिए फिर से प्रयास किया

- **प्रदीप शुक्ला,** सचिव, कृषि उपज मंडी, रायपुर

उचित दाम दिलाने की पहल

सरकार ने शहर के आस-पास बाड़ी में सब्जी की खेती करने वाले छोटे किसानों को कोचियों से बचाने व उचित दाम दिलाने के लिए बाजार बनवाया। पंडरी में बाजार शुरू होने से लोगों का अच्छा रिस्पांस भी मिल रहा था। देवेन्द्र नगर, राजातालाब ,लोधीपारा फाफाडीह सहित आस-पास के लोग किसानों से सब्जी लेने के लिए पहुंचते थे। सालभर से भी ज्यादा बाजार गुलजार रहा। इसी बीच कोविड शुरू हुआ व बाजार में किसानों को आने की मनाही ने उसे विरान किया।ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि तब व्यापारियों व किसानों के बीच लेन-देन शुरू होने से वे बाजार में वाप्स नहीं आए।

मंडी बोर्ड ने सब्जी उत्पादकों को बाजार में वापस लाने के लिए कई बार प्रयास किया। हर बार किसानों ने बहाना करते हुए अधिकारियों को टालने का प्रयास किया। नए लोगों को बाजार में बैठाने का प्रयास भी फेल हो चुका है। इसके बाद बाजार शुरू हो इसके लिए बोर्ड के जिम्मेदारों ने रायपुर निगम से पत्र व्यवहार करके बाजार को हैंडओवर करने का प्रयास किया। शहर में कई जगह पसरा लगाने वालों से फीडबैक लेने के बाद निगम ने भी चप्पी साध ली। इससे बाजार को दोबारा शुरू करवाने की मुहिम ठंडे बस्ते में है। बाजार शुरू होगा, इसकी उम्मीद अब जिम्मेदारों ने भी

यहां बाजार शुरू भी नहीं हुआ

रामसागर पारा, समता कॉलोनी, बढईपारा सहित आस-पास के लोगों को गंजपारा में बनवाए किसान उपभोक्ता बाजार से जोडने के लिए निर्माण के दौरान बड़ी लापरवाही हुई। पार्किंग की स्थित जांचे बिना ही बाजार बनवाने से किसानों ने वहां आने से इंकार किया। इसके चलते बाजार बनने के बाद शुरू नहीं हो पाया। इसके लिए बोर्ड ने कई बार निगम से जमीन मांगा, मगर प्रक्रिया जुबानी रह गई। अब स्थिति यह है कि दोनों ही बाजारों का बुराहाल है। गंजपारा में बनवाए गए बाजार में आस-पास कारोबार करने वाले लोगों ने सामान रखना शुरू कर दिया इसलिए भी बाजार शुरू नहीं हुआ।

बढ़ी हुई विद्युत दर का विरोध, महापौर और कांग्रेसी पार्षदों ने सौंपा ज्ञापन

बिजली की दर में वृद्धि को लेकर शहरी सरकार ने मोर्चा खोल दिया है। बढ़ी दर को वापस लेने की मांग को लेकर सोमवार को महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे व वरिष्ठ कांग्रेसी पार्षदों के साथ

ज्ञापन देने डगनिया स्थित विद्युत मुख्यालय दफ्तर पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव शुक्ला से मुलाकात कर बिजली के दर में वृद्धि को आम उपभोक्ता अतिरिक्त भार बताते हुए इस निर्णय को

वापस लेने की मांग की।

दरअसल, घरेलू उपयोग की बिजली दर में 20 पैसे प्रति यूनिट बढ़ोतरी, औद्योगिक व कृषि क्षेत्रों की विद्युत दरों में करीबन 8.35 फीसदी यानी 25 पैसा प्रति युनिट वृद्धि से आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्तभार का विरोध शुरू हो गया है। नई दर के अनुसार 0 से 100 यूनिट तक के खपत पर 3.90 रुपए, 101 से 200 यूनिट पर 4.10 रुपए 201 से 400 यूनिट 5.50 रुपए, 401 से 600 यूनिट 6.50 रुपए और 600 यूनिट से अधिक के



 दर में वृद्धि का निर्णय वापस लेने

रुपए प्रति यूनिट का भुगतान करना होगा। महापौर एजाज ढेबर ने

की दरों को सामान्य दर से आधा किया था, जिससे राज्य के उपभोक्ताओं काफी राहत मिली थी। पर वर्तमान में घरेलू बिजली की दर में प्रति यूनिट 20 पैसे की वृद्धि का अर्थ है, गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले गरीब लोगों का भी घरेलू बजट बिगड़ना। इससे उनका बिजली बिल भी बढ़ जायेगा। कांग्रेसी पार्षदों का ये कहना है, यदि कोई गरीब व्यक्ति अगर 100 से 1 यूनिट भी अधिक बिजली खर्च करेगा, तो उसे 3.90 रुपए की दर पर बिल का भुगतान करना होगा । यही नहीं सरकार ने स्थिर प्रभार की राशि में भी 5 से लेकर 10 किलो वाट के लिए 20 रुपये से लेकर 40 रुपए प्रति किलोवाट तक की वृद्धि कर दी है।

कहा, प्रदेश की पूर्व सरकार ने बिजली

विद्युतदर से किसानों को भी नहीं बख्शा गया

वरिष्ठ कांग्रेसी पार्षदों ने विद्युत दर में बढ़ोतरी को लेकर कहा, इसमें किसानो को भी नहीं बख्शा गया। कृषि पंपों पर 25 पैसे की प्रति यूनिट की बढ़ोतरी करने से किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। और उपज की लगात बढेगी ज्ञापन सौंपने वालों में महापौर एजाज ढेबर सभापति प्रमोद द्बे. वरिष्ठ एमआईसी सदस्य ज्ञानेश शर्मा, श्रीकुमार मेनन, जीतेन्द्र अग्रवाल, सुंदर जोगी पार्षद प्रतिनिधि राधेश्याम विभार,पार्षद उत्तम साह्र, घनश्याम क्षत्री शामिल थे।

स्कूल को आरटीई की मान्यता नहीं, बच्चों की पढ़ाई बाधित

रायपुरे। कृष्णानगर स्थित ग्लोरियस हॉयर सेंकडरी इंग्लिश स्कूल को शिक्षा का अधिकार आरटीई की मान्यता नहीं दी गई है, जिस पर स्कूल प्रबंधन ने यहां पढ़ रहे बच्चों की शिक्षा में व्यवधान आने की बात कही है। इसकी शिकायत शिक्षा मंत्री बजमोहन अग्रवाल से की है। इस मौके पर समस्त पालकों ने बताया कि यह स्कुल अल्पसंख्यक श्रेणी में आ रहा है, जिसे शासन-प्रशासन आरटीई के तहत मान्यता नहीं दे रहा है और बच्चों की फीस का भुगतान नहीं किया जा रहा है। ऐसा स्कूल प्रबंधन का कहना है,



प्रिंसिपल द्वारा पालकों को सूचित किया जा रहा है कि अब आगे हमारे बच्चों को आरटीई के तहत आगे कक्षा में अध्ययन नहीं करा पाएंगे। पिछले कई सत्र से हमारे बच्चे इस संस्था में अध्ययनरत हैं और आगे इसी संस्था में आगे की शिक्षा ग्रहण करें, ताकि सभी बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। इसके लिए शासन से निवेदन है कि जितने बच्चे वर्तमान में

आरटीई के तहत शिक्षा ले रहे हैं, उनका भुगतान ग्लोरियस हॉयर सेकेण्डरी स्कूल में प्रदान किया जाए, ताकि बच्चों का भविष्य खराब न हो और न ही उनका हक छीना जाए। हम समस्त पालक शासन-प्रशासन, शिक्षा विभाग, शिक्षा सचिव, जिला कलेक्टर, आरटीई विभाग से निवेदन करते हैं कि हमारे मांगों पर विचार कर बच्चों के भविष्य को देखते हुए हमारी मांगे पूर्ण करें और शाला प्रबंधन को आदेश जारी करें कि सभी बच्चों को आरटीई के तहत आगे की कथा में निशुल्क शिक्षा प्रदान करें।

Steavin Town +

समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेश्वास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बुंद बुंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना । प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। 🏻 समय : 11 से 3 बजे तक

आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग. स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेत् संपर्क करें: 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

समस्त प्रदेशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं.

सांसे हो रही है कम, आओ पेड़ लगायें हम पर्यावरण की रक्षा, जीवन की सुरक्षा...











मान. बुजमोहन अग्रवाल जी को रायपुर लोकसमा क्षेत्र से ऐतिहासिक जीत दर्ज करने पर हार्दिक शुभकामनाएं.







श्रीमती मानवती साहू सरपंच- ग्राम पंचायत बुडगहन

विनीत- समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत बुडगहन, जिला- बलौदाबाजार भाटापारा



विनीत- समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत सुहेला, जिला- बलौदाबाजार भाटापारा

सर्पच-ग्रामपंचायतस्हेना

लापरवाही की तो कड़ी कार्रवाई

सीएम साय के निर्देश - सभी किसानों को १५ तक खाद बीज कराएं उपलब्ध

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आगामी खरीफ सीजन के मद्देनजर सोसाइटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद बीज की उपलब्धत कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि कृषि और सहकारिता विभाग के अधिकारी मानक स्तर के खाद-बीज का भंडारण एवं उठाव की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखें। उन्होंने 15 जून तक किसानों को उनकी डिमांड के आधार पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज प्रदाय किये जाने की व्यवस्था सोसाइटियों के माध्यम से करने को कहा है, ताकि किसानों को खाद-बीज के लिए किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इस संबंध में पहले से ही पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने सोसाइटियों में खाद-बीज के भंडारण और वितरण में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के भी निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री ने अपने खेती-किसानी के दीर्घ अनुभव के आधार पर कहा है कि खरीफ सीजन में किसान भाईयों द्वारा डीएपी खाद की मांग ज्यादा की जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए डीएपी खाद की मांग और सप्लाई पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए।



खाद की जांच के लिए एक हजार नमून लिए गए

रासायनिक उर्वरकों एवं जैव उर्वरकें के गुण नियंत्रण के लिए 1067 नमूने लिये गए है, जिनकी जांच गुण नियंत्रक प्रयोगशाला में करायों जा रही है। सोसायटियों में विभिन्न खरीफ फसलों के बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। खरीफ सीजन २०२४-२५ में ५ लाख ५९ हजार 203 क्विंटल बीज की मांग के विरुद्ध ६ लाख ३९ हजार ४ क्विंटल बीज की उपलब्ध है, जो कि मांग का ११४ प्रतिशत है। सोसायटियों से किसान लगातार बीज का उठाव कर रहे है। अब तक ०३ लाख ७५ हजार क्विंटल बीज का उठाव किसानों ने किया है, जो कि बीज की डिमांड का ६७ प्रतिशत है।

अब बारिश से होने वाली बीमारियों का खतरा, मुख्यमंत्री ने चेताया

गरमी का मौसम खत्म होने के बाद जल्द ही बारिश आने वाली है। बारिश का सीजन आते ही वर्षाजनित बीमारियों की आशंका बढ जाती है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मानसून के दौरान संभावित बीमारियों की रोकथाम के लिए अधिकारियों को राजधानी से लेकर ग्राम पंचायत तक लगातार सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदेश के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों में सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।

पानी के स्रोतों की सफाई करने कहा

मुख्यमंत्री ने हैंडपंप, नलकूप, एवं जल स्त्रोतों की मरम्मत, साफ-सफाई और क्लोरिनेशन कराने कें भी निर्देश दिए हैं। ब्लीचिंग पाउडर और क्लोरिन टैबलेट की पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने वर्षाजन्य बीमारियों एवं अन्य समस्याओं से निपटने के लिए प्रशासनिक अमले के साथ लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग के अमले को अलर्ट रहने को कहा है। उन्होंने कहा है कि बरसात के मौसम में उल्टी-दुस्त, मलेरिया आदि मौसमी बीमारियों के होने की ज्यादा आशंका रहती है। पेयजल स्त्रोतों की सफाई जैसे छोटे-छोटे उपायों से इन बीमारियों के प्रकोप से बचा जा सकता है। राज्य में संक्रामक बीमारियों की दृष्टि से संवेदनशील गांवों और इलाकों में स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा लगातार

सर्पदंश से बचाव के लिए एन्टी स्नेक वेनम तैयार रखें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि जशपुर अंचल सहित ऐसे क्षेत्र जहा सर्पदंश कें मामले ज्यादा आते हैं उन इलाकों में बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एन्टी स्नेक वेनम की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में सर्पदंश के प्रकरणों को हैंण्डल करने के लिए चिकित्सक एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी उपलब्ध रहें।

गोलबाजार थाना क्षेत्र के व्यस्त मार्ग बीएसएनएल कार्यालय के सामने मेन रोड में लालगंगा शॉपिंग मॉल में आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर एक घंटे के भीतर काबू पा लिया, लेकिन आग पर काबू पाने दमकल कर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मौके पर अंदर कुछ लोगों के फंसे होने की अफवाह से राहत तथा बचाव कार्य में लगे फायर ब्रिगेड तथा पुलिस को परेशानी का

सामना करना पड़ा। लाल गंगा



लालगंगा शॉपिंग मॉल के मीटर पैनल

बोर्ड में आग लगने से मचा हड़कंप

शॉपिंग मॉल में आग लगने की घटना सोमवार शाम पांच बजे की है। फायर ब्रिगेड के अफसरों के

मुताबिक उनके पास आग लगने की सूचना सवा पांच बजे आयी। आग लगने की सूचना मिलने के तत्काल गाड़ी रवाना की गई। आग लगने की वजह मीटर पैनल में शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। ज्यादा इलेक्ट्रिक लोड बढ़ने की वजह से मीटर पैनल में शार्ट सर्किट हो गया और धमाके के साथ मीटर पैनल में

मीटर पैनल में आग लगने की वजह से शॉपिंग मॉल का विद्युत कट हो गया। इसके साथ ही दुकानदार आग फैलने की आशंका पर आनन-फानन में अपनी दुकानों के सामान निकालकर सुरक्षित









तूर, मसूर और मक्का उगाना है पूरी उपज पर MSP पाना है

देश को आत्मनिर्भर बनाना है

यदि किसानों को दर से अधिक कीमत मिलती है तो वे बाजार में बेचने हेत् स्वतंत्र होंगे। MSP की इस योजना का लाम उठाने हेत् (https://esamridhi.in/#/) अथवा https://nccfindia.com/registration पर अपना पंजीकरण कराएं।



खबर संक्षेप

टीबी की दवाएं सभी जिलों में उपलब्ध

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में टीबी की दवाएं एक से डेढ़ माह के लिए उपलब्ध है। नई दिल्ली के सेंट्रल टीबी डिवीजन द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसके अंतर्गत टीबी के मरीजों को उपचार के लिए दवाइयों की आपूर्ति की जाती है। जिलों से मांग अनुसार दवाइयां राज्य ड्रग स्टोर से आपूर्ति की जा रही है। शीघ्र ही सेन्ट्रल टीबी डिवीजन से दवाईयों का नया स्टॉक भी प्राप्त हो जावेगा। बताया गया है कि सेन्ट्रल टीबी डिवीजन द्वारा राज्य व जिलों के अधिकारियों के मदद के लिए हेल्पडेस्क बनाया गया है, जिस पर जारी हेल्पलाईन नम्बर पर कॉल कर दवा से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता या पूछताछ प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टीबी मरीज या आम नागरिकों को दवा या उपचार से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई जानकारी लेनी हो. तो निःशुल्क राज्य हेल्पलाइन नंबर कर सकते हैं।

माइनिंग घोटाला के आरोपी सौम्या, रानू समीर तथा सूर्यकांत कोर्ट में पेश

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

माइनिंग घोटाला के आरोपियों की रिमांड खत्म होने पर ईओडब्लू की टीम ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व अफसर रानू साहू, समीर विश्नोई तथा राज्य प्रशासनिक सेवा की पूर्व अफसर सौम्या चौरसिया तथा कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को सोमवार को विशेष अदालत में

ईओडब्लू के आवेदन पर रानू तथा सौम्या को पांच जुन तथा समीर और सूर्यकांत को 10 जून तक पुछताछ करने विशेष अदालत ने रिमांड पर दिया है। गौरतलब है कि माइनिंग घोटाला के आरोपियों को डेढ़ वर्ष पूर्व ईडी ने पीएमएलए एक्ट के तहत े गिरफ्तार किया है। ईडी के प्रतिवेदन पर एसीबी तथा ईओडब्ल अलग से अपराध दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ईओडब्लू मामले की जांच को आगे माइनिंग घोटाला के आरोप में पूर्व में मिले तथ्यों के आधार पर ईओडब्लू पूछताछ कर रही है।



<u>आमने-सामने बैटाकर पूछताछ</u>

ईओडब्ल के अफसरों के मताबिक चारों आरोपियों से पहले अलग-अलग पुछताछ की गई। इसके बाद आरोपियों को एक साथ बैठाकर पुछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक पुछताछ के दौरान ईओडब्लू के अफसरों को माइनिंग घोटाला से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। पूछताछ में मिली जानकारी की पुष्टि करने अफसरों ने चारों आरोपियों से पुनः पूछताछ करने कोर्ट में रिमांड आवेदन पेश किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए रिमांड स्वीकृत की है।

जेल में बंद आरोपियों से दो बार की टीम रान्, सौम्या, समीर तथा

पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ में सूर्यकांत को रिमांड पर लेकर

पेज १ के शेष

वट सावित्री कल....

लिए किया गया व्रत है। यह व्रत पति को दीर्घायु, सुख शान्ति प्रदान करने वाला है। वट सावित्री व्रत का पालन करना अपने पति के प्रति समर्पण और सच्चे प्यार का प्रतीक है।

वट सावित्री की पुजा विधि के बारे में आचार्य राहुल महराज कहते हैं कि चतुर्दशी तिथि से ही तामसी भोजन परित्याग कर देना चाहिए। व्रत के चलते लहसून, प्याज का इस्तेमाल न करें। अमावस्या को प्रातःकाल ब्रम्हमुहूर्त में उठकर घर की साफ सफाई करें, सूर्योदय से पहले आंवले और तिल के साथ पवित्र स्नान कर नवीन वस्त्र धारणकर सूर्य देव को अर्ध्य दे। सभी विवाहित महिलाएं 16 श्रृंगार कर बरगद वृक्ष की पूजा प्रारंभ करें। धुप, दीप, नैवेद्य, पुष्प, अक्षत, जल, चंदन, एक बांस की टोकरी में सोभग्यवती श्रृंगार रख, गीला चना अर्पित कर पीली सुत वृक्ष के चारों ओर 7 बार परिक्रमा करते हुए लपेटें। पवित्र सत्यवान-सावित्री की कथा श्रवण कर घर के बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करें, तत्पश्चात गुड़-चने का प्रसाद ग्रहणकर व्रत खोलें, जो भी दान या सुहाग सामग्री चढ़ाये हैं उनको बाद में अपने मानदान या पुरोहित को दें।

वट सावित्री व्रत...

उन्होंने राजा को अपनी पसंद के बारे में बताया। उसकी बात सुनकर, नारद मुनि ने राजा अश्वपति से कहा कि इस संबंध को मना कर दें क्योंकि सत्यवान का जीवन बहुत कम बचा है और वह एक वर्ष में मर जाएगा,राजा अश्वपति ने सावित्री को उसके लिए किसी और को खोजने के लिए कहा। लेकिन स्त्री गुणों के एक तपस्वी और आदर्श होने के नाते उसने इनकार कर दिया और कहा कि वह केवल सत्यवान से ही शादी करेगी, भले ही उसकी अल्पायु हो या दीर्घायु। इसके बाद सावित्री के पिता सहमत हो गए और सावित्री और सत्यवान विवाह बंधन में बंध गए।एक साल बाद जब सत्यवान की मृत्यु का समय आने वाला था, सावित्री ने उपवास शुरू कर दिया और सत्यवान की मृत्यु के निश्चित दिन पर, वह उसके साथ जंगल में चली गई। अचानक सत्यवान एक बरगद के पेड़ के पास गिर गया। जल्द ही, यम प्रकट हुए और सत्यवान की आत्मा को दूर

करने ही वाले थे। सावित्री ने यम से कहा कि यदि आप उसे ले जाना चाहते हैं, तो आपको मुझे अपने साथ ले जाना होगा क्योंकि मैं एक पवित्र महिला हूं उसके संकल्प और तपस्या को देखकर, भगवान यम ने उसे तीन इच्छाएं मांगने का वरदान दिया। अपनी पहली इच्छा में, उसने राज्य की बहाली के साथ-साथ अपने ससुर की आंखों की रोशनी भी मांगी। दूसरे वरदान में, उसने अपने पिता के लिए 100 पुत्र मांगे,औरअंतिम और तीसरे वरदान में उसने सत्यवान से एक पुत्र मांगा भगवान यम उसकी सभी इच्छाओं के लिए मान गए, पर सत्यवान को साथ ले जाने वाले थे। सावित्री ने उसे यह कहते हुए रोक दिया कि उसके पित सत्यवान के बिना बेटा पैदा करना कैसे संभव है। भगवान यम अपने शब्दों में फंस गए थे और इस तरह उन्हें सावित्री की भक्ति और पवित्रता देखकर सत्यवान के जीवन को वापस करना पड़ा। उसी दिन से ही वट सावित्री व्रत सैकड़ों हिंदू विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पतियों की दीर्घायु स्वस्थ्य के लिए मनाया जाता हैं।

स्वस्थ्य जीवन के लिए...

थीम 'एक पृथ्वी' थी।

पर्यावरण का संरक्षण है महत्त्वपूर्ण : पर्यावरण की रक्षा करना आवश्यक है क्योंकि यह मनुष्यों और फसलों के लिए सुरक्षित है और पौधों और जानवरों के लिए सुरक्षित है। कुछ शोधकर्ताओं के अनुसार, पर्यावरण संरक्षण का महत्व उन प्रजातियों की विविधता को संरक्षित करने में मदद करना है जो ग्रह प्रकृति और लोगों के लाभ के लिए साझा करता है। इसलिए, पर्यावरण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है क्योंकि पर्यावरणीय गिरावट अपरिवर्तनीय है या सभी जानवरों, मनुष्यों या पौधों के लिए बहुत हानिकारक हो सकती है। सतत जीवन जीवन जीने और पर्यावरण को व्यक्तियों के लिए अधिक सुरक्षित बनाने में मदद करता है।

ट्रैक्टर ट्राली से...

युवक को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। मामले की जांच में गिधौरी पुलिस जुटी है।

पांच दिन पहले मानसून के बस्तर पहुंचनें के आसार

रायपुर। अनुकूल परिस्थिति होने की वजह से बिक्षण-पश्चिम मानसन के इस बार अपनी सामान्य तिथि से पांच दिन पहले बस्तर पहुंचने का अनुमान है। यूपी-बिहार के ऊपर बनी द्वेणिका की वंजह से दक्षिण में बादल जमकर बरस रहे हैं, जिससे तेज गर्मी और ग्रीष्मलहर से राहत मिल गई है। पिछले दो दिन से तापमान में गिरावट आने की वजह से लू की परेशानी कम हो गई है। सोमवार को राज्य का अधिकतम तापमान ४२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसकी वजह से ग्रीष्मलहर की संभावना नहीं बन पाई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून तटीय आंध्रप्रदेश तक पहुंच चुका है और लगातार सामान्य से अधिक गति से आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से बस्तर में सामान्य तारीख 13 जून से पांच दिन पहले यानी 7-8 जून तक पहुंचने की संभावना है।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड **भग रत्न कम्पना** (कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

आम सुचना

इस प्रकाशन के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एसईसीएल दीपका क्षेत्रांतर्गत दीपका विस्तार परियोजना हेतु ग्राम मलगांव के निम्नलिखित प्रभावित भू—विस्थापित एवं उनके द्वारा नामित आश्रित उम्मीदवार को एसईसीएल मे रोजगार उपलब्ध कराने हेतु मुख्यालय बिलासपुर से स्वीकृति बाबत प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है। प्रस्ताव मे प्रभावित खातेदार / नामित आश्रित द्वारा संलग्न भूमि एवं अन्य व्यक्तिगत दस्तावेजो मे भिन्नता पाई गयी है। विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	भूमि दस्तावेज के अनुसार भू—स्वामी का नाम एवं पिता का नाम						नामांतरण पंजी / फ़ौती नामांतरण	खाता नं./ अर्जित खसरा नं.		प्रजित भूमि	अनुसार रोजगार हेतु नामित	आवेदन के साथ प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार रोजगार	अन्य (विभिन्न दस्तावेजों मे खातेदार का नाम
	पत्रक V व VI के अनुसार	बी1 (2001–02) के अनुसार	पी—II के (2000—01) के अनुसार	बी1 (2019—20) के अनुसार	(2019-20)	मुआवजा प्राप्ति रशीद के अनुसार			हे.मे.	एकड़ में	व्यक्ति का नाम पिताँ का नाम एवं जन्मतिथि	नामित व्यक्ति का नाम एवं पिता का नाम एवं जन्मतिथि	एवं अन्य विसंगति) (आधार कार्ड के अनुसार)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	फूल बाई पिता मनमोहन सिंह, सजन कुँवर बेवा मनमोहन सिंह	सजन कुँवर बेवा मनमोहन	पिता मनमोहन सिंह, सजन कुँवर बेवा	फूल बाई पुत्री मनमोहन सिंह, सजन कुँवर बेवा मनमोहन सिंह	मनमोहन सिंह, सजन कुँवर बेवा	कंवर पिता मनमोहन सिंह	फूल बाई पिता मनमोहन सिंह पति द्वारिका सिंह	खाता नं. —110 खसरा नं. — 134 / 1, 558 / 5	1.230	3.04	आधार कार्ड-भुवन पाल कंवर पिता द्वारिका सिंह कंवर तनवास प्रमाण पत्र— भुवन पाल पिता द्वारिका सिंह जाति प्रमाण पत्र — भुवन पाल पिता द्वारिका सिंह 4. वंशनुक्ष 5. 8 वीं अंक सूची— भुवनपाल	भुवनपाल कंवर पिता स्व द्वारिका सिंह जन्मतिथि — 16/11/1995 (8 वीं अंक सूची के अनुसार)	भुवन पाल कंवर पिता द्वारिका सिंह कंवर

उपरोक्तानुसार खातेदार का नाम फूलबाई पिता मनमोहन, सजन कुँवर बेवा मनमोहन तथा रोजगार हेतु नामित व्यक्ति का नाम मुवन पाल कंवर पिता द्वारिका सिंह पढ़ा एवं समझा जावे। अतः किसी भी संबन्धित व्यक्ति को उक्त व्यक्तियों के पहचान पर कोई आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम, हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजो प्रमाणो के साथ इसकी लिखित शिकायत अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय मे इस सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर उपस्थित होकर प्रस्तुत करे। अन्यथा समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति अमान्य होगी।

सही / महाप्रबंधक, एसईसीएल दीपका क्षेत्र



धीवर समाज के २०१ छात्र छात्राओं का किया सम्मान

रायपुर। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में सोमवार को धीवर समाज युवा प्रकोष्ठ एवं आईटी टीम रायपुर के सहयोग से कॅरियर काउंसिलिंग एवं प्रतिभावान सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 9वीं से 12वीं तक के होनहार विद्यार्थियों के अलावा ऐसे विद्यार्थी राज्य में समाज का नाम रोशन किया, उन 201 विद्यार्थियों को धीवर समाज युवा प्रकोष्ठ एवं आईटी टीम द्वारा प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मनोवैज्ञानिक डॉ. वर्षा वरंडकर, अजीत सिंह जाट, बीआर साहू, सुरेश धीवर, पवन धीवर, रामलाल पंडरिया, मनोज बाघमार आदि उपस्थित रहे। जनक धीवर, नरेंद्र धीवर, महेश धीवर सिहत आईटी टीम के पूरे सदस्य उपस्थित रहे।

प्रकृति प्रेम कार्यक्रम आज

रायप्र। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 5 जुन को शाम 6 बजे प्रकृति प्रेम कार्यक्रम होगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय बंगाली सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन तथा शुभम शिक्षण एवं कला संस्थान द्वारा किया जाएगा। इस संबंध में संस्थान की अध्यक्ष महुआ मजूमदार ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान फलदायक पौधे आम, जाम, चीकू पपीता इत्यादि का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम परिकल्पना एवं निदेशक डॉ. समीर रक्षित, कवि गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर के प्रकृति प्रेम रचनावाली के ऊपर का आयोजन समाज के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा किया जाना है इसके बाद सभी अतिथि एवं श्रोताओं को पौधों का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री बृजमोहन

अम्मा चोले वाली का बरसी महोत्सव ७ को

अग्रवाल होंगे।

रायपुर। देवपुरी स्थित गोदडीवाला धाम में 7 जुन को अम्मा चोले वाली का बरसी महोत्सव धुमधाम से मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम दरबार के महंत अम्मा मीरा देवी के मार्गदर्शन में होगा। इस कार्यक्रम में रायपुर, तिल्दा, भाटापारा, चकरभाटा, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ, धमतरी, दल्ली राजहरा, राजनांदगांव, दुर्ग-भिलाई से 11 धाम से श्रद्धालु शिरकत करेंगे। इसी दौरान सुबह 11 बजे अखंड धुनी पाठ साहब शुरू होगा। इसके बाद आरती, सत्संग, कीर्तन शाम 5 बजे महिला मंडल द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में दरबार के सेवादारी अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, सुशील केशवानी, पवन प्रितवानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे।

जहर सेवन कर दे दी जान

महासमुंद। तेंदुकोना थाना क्षेत्र के ग्राम ठाकरदियाँ कला निवासी बर्जा ने जहर सेवन कर आत्महत्या कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, लखन लाल दीवान पिता अदिन (62 साल) ने जहर सेवन कर लिया। तबियत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल महासमुंद ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गर्भकाल में हुई दुर्लभ बीमारी की बेंटाल सर्जरी, हृदय की महाधमनी में थी रुकावट

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

गर्भकाल में शिशुओं में होने वाले जेनेटिक बदलाव के दौरान उपजी मोर्फान सिंडोम की परेशानी से दो मरीजों को एम्स के चिकित्सकों ने निजात दिला दी। बेंटाल सर्जरी के माध्यम से उनके हृदय की महाधमनी में होने वाली रुकावट को दूर किया गया। बढ़ती उम्र के साथ उनकी समस्या भी गंभीर होती जा रही थी।

चिकित्सकों का कहना है कि अमेरिकन हॉर्ट एसोसिएशन के एक शोध के मुताबिक तीन से पांच हजार बच्चों में से एक को यह बीमारी जन्मजात होने की आशंका होती है। 60 से 80 प्रतिशत रोगियों को इस प्रकार की समस्या होने पर तुरंत सर्जरी की आवश्यकता होती है। सर्जरी के बाद दोनों मरीजों को कुछ दिन

की समस्या, बढ़ती उम्र के साथ गंभीर हो गई थी परेशानी

 पांच हजार में एक को होती है दिक्कत, स्वस्थ होने के बाद दोनों मरीजों की छुट्टी



सकों का रहा योगदानः दोनों मरीजों का ऑपरेशन करने में एम्स के सर्जन डॉ. जी. सौरभ, डॉ. निरूपम चक्रवर्ती, डॉ. प्रनय, डॉ. स्नेहा और मुख्य कार्डियक एनेस्थेटिस्ट डॉ. सुब्रता सिंगा, डॉ. जितेंद्र ने सर्जरी की। पूर्व की जांच को डॉ. सत्यजीत, डॉ. सुरेंढूँ नायक और प्रो. नरेंद्र बोधे, डॉ. ॲनिल, डॉ. संदीप, डॉ. अखिलेश, डॉ. गासपेर, डॉ. मनीष, डॉ. अपित, डॉ. अमृतॉश के साथ पूरा किया।

चिकित्सकों की निगरानी में रखकर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दुर्ग के 35 वर्षीय, कबीरधाम के 18 वर्षीय स्कूली छात्र को सांस लेने में हो रही दिक्कत पर उपचार के लिए एम्स लाया गया था। जांच में आनुवांशिक बीमारी का पता चला, जिसमें गर्भकाल में शिशु में जेनेटिक बदलाव के कारण क्रोमोसोम्स में दिक्कत से हृदय और आंख की मांसपेशियां और उतक विकसित नहीं हो पाते।

इससे हृदय की महाधमनी की मांसपेशियों में अत्यधिक फैलाव, लीकेज, हार्ट फेल होना और महाधमनी के फटने की चुनौती रहती है। बढ़ती उम्र के साथ इसका और अधिक प्रभाव दिखने लगता है। इससे सांस फूलना, अत्यधिक थकावट, कमजोरी के लक्षण आने लगते हैं। लगभग आठ घंटे लंबी चुनौतीपूर्ण कार्डियक सर्जरी पूरी की गई।

गड्बड़ी : ग्रामीण ने पंचायत सचिव पर लगाये आरोप

मस्टररोल में फर्जीवाड़ा की शिकायत कलेक्टर से

हरिभूमि न्यूज 🕪 मुड़पार-सरसीवा

अंचल के ग्राम पंचायत सोहागपर में ग्रामीण हेमंत कुमार कुरें द्वारा अपने ही ग्राम के रोजगार सहायक सचिव गणेश सिंग सिदार द्वारा ग्राम में चल रोजगार गारंटी योजना में फर्जीवाडा करने की शिकायत कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को 28 मई को की है। मामला सोहागपुर ग्राम पंचायत का है, जहां रोजगार गारंटी में चल रहे कार्यों में रोजगार सहायक सचिव गणेश सिंग सिदार द्वारा की जा रही है। रोजगार सहायक सचिव द्वारा निमार्ण कार्यों में मस्टर रोल में फर्जी तरीके से मजदूरों का नाम लिखना और और फर्जी तरीके से हाजिरी चढ़ाकर अपने ही स्वयं के खातों में राशि जमा करने की शिकायत मिली है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि रोजगार सहायक सचिव द्वारा ऐसे मजदुरों का नाम मस्टर रोल में चढ़ाया है, जो अपने ही सगे रिश्ते नातों का नाम चढ़ाया है, जबकि उसके सगे संबंधी गांव में रहते ही

आयुक्त ने अधिकारियों को दायित्व सौंपे

20 जन से प्रभावशील होगा प्रकोष्ठ

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

नगर निगम आयुक्त अबिनाश

मिश्रा ने मानसून के दौरान

अतिवृष्टि होने एवं निगम क्षेत्र में

बाढ़ प्रभावित होने की स्थिति पर

जल निकासी व बचाव कार्य के

लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन

किया है। प्रकोष्ठ मुख्यालय

टिकरापारा पुलिस थाना के पास

स्थित मोटर कर्मशाला कार्यालय

को बनाया गया है। इसमें आम

नागरिक दूरभाष नंबर 0771-

2272101, 2274101 में अतिवृष्टि

निगम आयुक्त द्वारा इस

की सूचनाएं दे सकते हैं।

3 शिफ्ट में रहेगी अधिकारी,

कर्मचारियों की डयूटी

का कार्यालय

नहीं है और सभी गांव से बाहर कमाने खाने गये हुए हैं, जहां वर्षों से कमाने बाहर में ही रहते हैं। रोजगार सहायक सचिव द्वारा ऐसे ही व्यक्तियों के उक्त नाम मस्टर रोल में अंकित कर राशि अपने खाते में जमा कर आहरण किया है तथा ऐसे कई मजदुरों के नाम फर्जी तरीके से हाजरी चढ़ाकर अपने खाते में राशि जमा की है। बाद में अपने खाते से राशि आहरण कर ली जाती है। सोहागपुर के रहने वाले हेमंत कुमार कुर्रे ने बताया कि रोजगार सहायक सचिव के तालाब गहरीकरण, नाला साफ-सफाई एवं अन्य रोजगार गारंटी कार्यों में काम किया फिर भी इनकी

मजदुरी नहीं दी गई है। जिसमें इन्होंने बताया की 15 जुन 2020 को 600 रुपए, 13 नवंबर 2020 को 1140 रुपए, 1 दिसम्बर 2020 को ८४० रुपए व ७ दिसंबर २०२० को 720 रुपए व 1 फरवरी 2021 को 900 रुपए, 15 मार्च 2021 को 840 इस तरह कुल राशि 5940 रुपये की मजदूरी राशि प्रदान नहीं की गई है। उक्त राशि हेमंत के खाते में जमा होना था, किन्तु रोजगार सचिव सभी राशि को फर्जी तरीके से रोजगार सहायक सचिव गणेश सिदार ने अपने स्वयं के बैंक खाते बैंक आफ बड़ौदा शाखा बिलाईगढ़ के खाता में जमा कर फर्जीवाड़ा को अंजाम दिया है,

बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ट गटित, मोटर

वर्कशॉप रहेगा प्रकोष्ट मुख्यालय

जहां पीड़ित शिकायतकर्ता ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर सोहागपर ग्राम पंचायत के सचिव गणेश सिंग सिदार पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित हेमंत कुमार ने ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक सचिव पर यह भी आरोप लगाया है कि गांव के रामप्रसाद साहू, केशव साहू, कमला साहू, सुरीतराम, योगराम, याशोदा आदि नामों के फर्जी मस्टर रोल बनाकर फर्जी तरीके से राशि डाली गई है। रोजगार सहायक सचिव द्वारा मजदूरों का फर्जी मस्टर रोल निकालकर नाम चढाया जाता है।

पंप, फायर

फाइटिंग उपकरण

तैयार रखने निर्देश

निगम आयुक्त अबिनाश

आवासीय, व्यावसायिक

परिसर, जिसमें अतिवर्ष्ट

के समय बेसमेंट में पानी

पंप फायर फाइटिंग

उपकरण तैयार रखने

विभागीय अधिकारियों को

निर्देश दिये हैं। सभी जोन

जोन में 100-100 बोरी रेत

हिदायत दी गई है। बाढ़

में तत्काल २०० बोरी रेत

रखवाना सुनिश्चित करने

अभियंता अतुल चोपड़ा को

दायित्व दिया है। प्रत्येक

सामग्री मोटर पंप, रस्सी,

जोन एवं बाढ़ नियंत्रण

पकोष्ठ में बाढ़ राहत

ट्यूब, टार्च, बाल्टियां,

की व्यवस्था जोन

द्वारा की जायेगी।

धमेला, सब्बल, कुदाल

प्रभारी कार्यपालन

नियंत्रण प्रकोष्ठ मुख्यालय

कमिश्नरों को प्रत्येक

की व्यवस्था कराने

भर जाता है, उसे निकालने

भाजपा की जीत पर नपाध्यक्ष ने बांटी



पलारी। जांजगीर–चांपा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की प्रत्याशी कमलेश जांगड़े की जीत पर नगर पंचायत अध्यक्ष यशवर्धन मोनू वर्मा ने बस स्टैंड के पास आतिशबाजी कर खुशीयां मनाई। कार्यकर्ताओं मिठाई खिलाकर नगरवासी एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी। इस अवसर पर महामंत्री पवन वर्मा, नगर पंचायत पलारी के पार्षद ताजेन्द्र कनौजे, रवि ध्रुव, युवा मोर्चा अध्यक्ष भोला वर्मा, युवा मोर्चा महामंत्री चूड़ामणि साहू, उपाध्यक्ष गौतम यादव, मीडिया प्रभारी योगेश योगी वर्मा, प्रमोद देवांगन, राजू कनौजे, खेमन चंद्राकर, गुरु निर्मलकर सहित नगरवासी और क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

पर्यावरण को बनाये रखने पेड़ पौधे जरुरी

हरिभूमि न्यूज 🕪 भरूवाडीह

समुचे जगत का जीवन जिस पर निहित है, जिसे विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व के कल-कारखानों के धुएं से न केवल विश्व का पर्यावरण प्रदुषित होता जा रहा है, बल्कि इसका संबसे घातक असर ओजोन की मोटी चादर पर पड़ रहा है। पर्यावरण संरक्षण चेतना समिति के संयोजक महेश वर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बताया कि ओजोन की मोटी पट्टी सूर्य की पराबैगनी किरणों से धरती के जीवन की सुरक्षा करती है। यदि

ओजोन की चादर न हो या पतली पड जाये तो धरती का समुचा जीवन संकट में पड़ सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि उत्तरी

आकाश में स्थित ओ जो न छिद्र हो गये हैं। विश्व के वायुमण्डल

दक्षिणी

ध्रुवों

और पर्यावरण में जिस तेज गति से कार्बन-डाई- आक्साइड की मात्रा बढती जा रही है, वह पुरे जगत में जीव, जन्तु, पशु और पक्षी के लिए के लिए खतरे की घंटी है। धरती पर मंडराते सबसे बड़े संकट का नाम है। ग्रीन हाउस प्रभाव इसके पीछे कार्बन–डाई आक्साइड गैस का ही

आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण बताते हैं कि वायुमण्डल में कार्बन— डाई–आक्साइड की मात्रा लगातार बढ़ती जा रही है। कार्बन- डाई आक्साइड बढ़ने का मुख्य कारण पेड़ पौधे की कमी, जंगलों की कटाई, कारखाने और मोटर

तेलीबांधा तालाब के मैथिलीशरण गार्डन से अब तक नहीं हटाई निर्माण सामग्री, विरोध के बाद काम बंद

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के नाम से तेलीबांधा तालाब के समीप बने उद्यान से अब तक निर्माण एजेंसी ने निर्माण सामग्री नहीं हटाई है। गार्डन बंद होने से यहां सन्नाटा पसरा है। गार्डन में प्रतिमा के सामने मशीन लगाकर खुदाई करने, भारी भरकम महंगे झूले को लेकर गहोई वैश्य समाज पदाधिकारियों के विरोध के बाद निर्माण का काम रोक दिया गया है, पर बाहर से मंगाए महंगे समान को वहां से हटाया नहीं गया, जबकि महापौर एजाज ढेबर सिहत एमआईसी सदस्यों गार्डन के व्यसायिककरण के विरोध में धरना देकर इस पर

नाराजगी जताई थी। दरअसल, तेलीबांधा तालाब को रिक्रियेशन जोन के रूप में विकसित करने नगर निगम ने पीपीपी मोड पर एक निजी कंपनी के साथ पूर्व में 💻 अनुबंध किया। अनुबंधित एजेंसी द्वारा तेलीबांधा तालाब एरिया में अलग-अलग 4 जोन विकसित कर रिक्रियेशन जोन बनाया गया है। इसमें फड जोन, योगा जोन, फ्रीडम फाइटर

वॉल शामिल है। इसके एवज में नगर निगम को अनुबंधित एजेंसी द्वारा हर साल अनुबंध की शर्त अनुसार एक निश्चित रकम भुगतान किया जाता है।

तेलीबांधा तालाब परिसर में राष्ट्रकवि

 गार्डन में सन्नाटा, उद्यान परिसर की खुदाई कर महंगे झूले सहित अन्य इक्वीपमेंट लगा रहे थे

गहोई वैश्य समाज ने प्रतिमा के सामने बैटकर जताया था विरोध

मैथिलीशरण गप्त के नाम से उद्यान है। वहां सुबह-शाम बच्चों के अलावा आसपास के रहवासी सेहतमंदी के लिए रोजाना आते हैं। इसी उद्यान परिसर में बिना जानकारी के रात के समय मशीन लगाकर जमीन की खदाई कराने पर गहोई वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अशोक बानी की अगुवाई में प्रतिमा के सामने होकर गार्डन के

व्यवसायीकरण पर विरोध जताया।राष्ट्रकवि के प्रतिमा के सामने मशीन लगाकर खुदाई पर रोक लगाने पदाधिकारियों ने आवाज बुलंद की।

<u>मेयर सहित कांग्रेसी पार्षदों ने व्यावसायीकरण का किया था विरोध</u>

महापौर एजाज ढेबर सहित एमआईसी सदस्य और कांग्रेसी पार्षद ने गार्डन के व्यवसायीकरण किये जाने पर नाराजगी जताते हुए गार्डन परिसर से निर्माण सामग्री हटाने की मांग की। तब महापौर खुद ये कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। राष्ट्रकवि के नाम से विकसित गार्डन का व्यवसायीकरण नहीं होने दिया जायेगा। महापौर के हस्तक्षेप के बाद गार्डन में निर्माण कार्य रोका गया, पर निर्माण सामग्री को हटाया नहीं गया। गार्डन बंद है, इसे अब तक आम जनता के लिए नहीं खोला गया।

आशय का आदेश सोमवार को जारी किया गया। इसके मृताबिक

कार्यपालन अभियंता प्रदीप यादव को बाढ़ आपदा प्रकोष्ठ का प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। वे बाढ नियंत्रण से संबंधित सूचनाएं संबंधित निगम अधिकारियों व कर्मचारियों को तत्काल देने के लिए जवाबदेह रहेंगे। बाढ नियंत्रण प्रकोष्ठ का कार्य 20 जून से प्रभावशील होगा।

3 पाली में लगाई डयटी

बाढ़ आपदा नियंत्रण प्रकोष्ठ में 8-8 घंटे की 3 षिफ्ट में निगम के अधिकारियों अभियंताओं और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। संपूर्ण कार्य के लिये निगम के प्रभारी अपर आयक्त विनोढ पाण्डेय को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। उनके लिंक अधिकारी निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणिग्रही को बनाया गया है। अतिवृष्टि या आपात की स्थिति में पूर्ण नियंत्रण की जवाबदेही संबंधित जोन के जोन कमिश्नर की रहेगी।सभी जोन कमिष्नर प्रकोष्ठ जोन प्रभारी के तौर पर बाद नियंत्रण कार्य में सहयोग करेंगे। साथ ही जोन कमिश्नर शहर के जर्जर भवनों की सूची तत्काल तैयार कर संबंधित भवन मालिकों को नोटिस देना सुनिश्चित करायंगे।

टैरिफ से पहले अप्रैल की बिजली दो फीसदी महंगी

प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं को नए टैरिफ में महंगी बिजली का झटका लगा है। यह झटका तो जून का बिल जब जुलाई में आएगा तब लगेगा, लेकिन इस समय जून में जो मई का बिल आ रहा है, उसमें अप्रैल की बिजली महंगी होने का झटका लग रहा है। अब हर माह बिजली की कीमत तय होने के कारण इस बार अप्रैल की बिजली करीब दो फीसदी महंगी हो गई है। उपभोक्ताओं को 1 जून से मई का जो बिल मिल रहा है, उसमें अप्रैल की खपत के हिसाब से पैसे वसूले जा रहे हैं। मार्च में एफपीपीएएस शुल्क 7.20 प्रतिशत था, जो अब 9.22 प्रतिशत हो गया है, यानी अब शुल्क 2.02 प्रतिशत बढ़ गया है। प्रदेश में अब तक बिजली उपभोक्ताओं से वीसीए के रूप में बिजली की कीमत बढ़ने से अंतर की राशि वसूली जाती थी, लेकिन इसको केंद्र सरकार ने पिछले सत्र से बंद कर दिया है। इसके स्थान पर केंद्रीय सरकार के निर्देश पर छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग ने अब उत्पादन लागत के अंतर की राशि को उपभोक्ताओं से वसूलने के लिए नया फार्मूला फ्यूल पॉवर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) लागू कर दिया है। इसी के तहत पिछले साल अप्रैल से उपभोक्ताओं से वसूली हो रही है।

भीषण गर्मी में घटी आवक, टमाटर-हरा धनिया सहित कई सिब्जियों के भाव बढे

हरिभूमि न्यूज 🕪 रायपुर

देश के कई राज्यों में पड रही भीषण गर्मी का असर अब सब्जियों पर भी पड़ने लगा है। राजधानी रायपुर थोक सब्जी मंडी में भीषण गर्मी के कारण सिब्जियों की आवक घट गई है, जिसके कारण टमाटर, हरी धनिया, शिमला मिर्च सहित अन्य कई प्रकार की सब्जियों के भाव बढ़ गए हैं। थोक में भाव बढ़ने का असर चिल्हर बाजार में भी पड़ा है। कुछ दिनों पहले तक चिल्हर बाजार में टमाटर क्वालिटी के अनुसार 20 से 30 रुपये प्रति किलो थे वह अब 30 से 40 रुपये हो गया है। इस तरह प्रति किलो टमाटर में 10 रुपये तक वृद्धि आई है। टमाटर के अलावा हरी धनिया भी थोक में 80 रुपये तक पहुंच गई है, जो चिल्हर में 110-120 रुपये है। इस प्रकार अन्य सिब्जियों में भी 5 से 10 रुपये तक वृद्धि हुई है।



औरंगाबाद से आ रहा टमाटर

टमाटर की स्थानीय आवक बहुत कम है, वहीं मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से भी टमाटर की आवक नहीं है। पिछले कुछ दिनों से टमाटर औरंगाबाद बिहार से मंगाया जा रहा है, जिसके कारण इसका भाव बढ़ा हुआ है। स्थानीय आवक के साथ अन्य राज्यों से भी टमाटर की आवक शुरू होने पर ही इसके भाव में गिरावट आएगी।

35-40 की जगह 15-20 ट्रक पहुंच रही

श्रीराम थोक सब्जी विक्रेता समिति डुमरतराई के अध्यक्ष टी.श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसका असर सिब्जियों के उत्पादन पर पड़ा है। कम उत्पादन के होने के कारण मंडी में सब्जियों की आवक घट गई है। सप्ताहभर पहले तक 35 से 40 ट्रक सब्जियों की आवक थी जो घटकर 15 से 20 हो गई है। इसके कारण लगभग सभी सिंडजयों की कीमत भी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि फिलहाल इस सप्ताह आवक बढ़ने की संभावना कम है, जिसके कारण सिंड्जियों कीमत घटने की संभावना भी

